Use and Misuse of History

किसी भी विषय का उपयोग तथा दुरूपयोग उसके कार्यान्वयन पर निर्भर करता है। इतिहास भी मानव समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है परंतु महत्वाकांक्षी व्यक्तियों द्वारा वैयक्तिगत स्वार्थों के लिए इसका दुरूपयोग किए जाने से यह विषय भी अनुपयोगी सिद्ध हो जाता। इतिहास की उपयोगिता अथवा अनुपयोगिता की विवेचना के लिए दोनों पक्षों का अलग-अलग विस्तृत विश्लेषण आवश्यक प्रतीत होता है।

इतिहास का उपयोग — आधुनिक युग में इतिहास की उपादेयता समाज के समक्ष एक महत्वपूर्ण विचारणीय प्रश्न है। तकनीकी विज्ञान तथा चिकित्सा शास्त्र का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी निश्चित रूप से अभियंता या चिकित्सक बनते हैं परंतु इतिहास का अध्ययन करने वाला प्रत्येक विद्यार्थी इतिहासकार नहीं बन सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में इतिहास के अध्ययन की उपयोगिता गंभीर चर्चा का विषय है।

मानव जीवन में इतिहास की उपयोगिता असंदिग्ध है क्योंकि यह मानवीय समाज के विकास की कहानी है। प्रो० शेक अली का यह कथन सर्वथा उचित है कि - इतिहास की उपेक्षा करने वाले राष्ट्र का कोई भविष्य नहीं होता है। वस्तुतः इतिहास एक शीशा है जो मानवीय प्रयास को प्रतिबिंबित करता है। यह जीवन-संबंधी सभी प्रयोजनों से युक्त एक दुकान है जहाँ सभी प्रकार की बौद्धिक सामग्री उपलब्ध है। महत्वाकांक्षी व्यक्ति बौद्धिक वैभव, शक्ति तथा अधिकार की प्राप्ति के उद्देश्य से युद्ध, विजय, साम्राज्य विस्तार तथा शासकों की निरंकुशता तथा शोषण से संबंधित इतिहास के पृष्ठों का अवलोकन करते हैं। सिसरो के अनुसार "इतिहास एक अधिकार-संपन्न अधिकारी है, जो सत्य एवं तर्क के आधार पर न्याय प्रदान करता है। इतिहास की उपयोगिता से संबंधित विभिन्न तथ्य निम्नांकित हैं —